www.a2zSubjects.com

PAPER-III
PRAKRIT

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

D 9 1 1 4

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **12**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
   उदाहरण : Ⓐ Ⓑ ● Ⓓ
   जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

PRAKRIT

प्राकृत

Paper – III

पण्हपत्तं – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **Seventy Five (75)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इमम्मि पण्हपत्ते **पंचसत्तरी (75)** बहुविकप्पियाणि पण्हाणि सन्ति । पत्तेगं पण्हं **दुवे (2)** अंकस्स अत्थि । **सव्वाणि** पण्हाणि कारियाणि त्ति ।

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न के **दो (2) अंक** हैं । **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. प्रकृति: संस्कृतम् तत्र भवं प्राकृतमुच्यते
The above statement is said by this Achārya –
उपर्युक्त कथन इस आचार्य के द्वारा कथित है –
(A) हेमचन्द्र (B) लक्ष्मीधर
(C) सिंहदेव (D) मार्कण्डेय

2. The dative and genitive suffixes are used as same in this language –
इस भाषा में चतुर्थी एवं षष्ठी विभक्ति के शब्दरूप एक समान प्रयुक्त होते हैं –
(A) प्राकृत (B) संस्कृत
(C) तमिल (D) कन्नड़

3. Which Prakrit is considered 'Prakrit for excellence' according to Acharya Dandin ?
आचार्य दण्डी के अनुसार इस प्राकृत को 'प्रमुख प्राकृत' कहा गया है –
(A) पैशाची (B) शौरसेनी
(C) महाराष्ट्री (D) मागधी

4. Prakrit language belongs to this group of languages :
प्राकृत भाषा इस-समुदाय से सम्बद्ध है –
(A) सेमेटिक (B) इंडो-आर्यन्
(C) द्रविडियन् (D) हेमेटिक्

5. Dative plural in Prakrit is changed into –
प्राकृत में चतुर्थी बहुवचन इसमें परिवर्तित होता है –
(A) तृतीया बहुवचन (B) चतुर्थी एकवचन
(C) पंचमी बहुवचन (D) षष्ठी बहुवचन

6. This statement is correct –
यह कथन सत्य है –
(A) शाकारी मागधी की उपबोली है ।
(B) आचारांग की भाषा शौरसेनी है ।
(C) श, ष, स के स्थान पर श होना महाराष्ट्री का लक्षण है ।
(D) अर्धमागधी एक पश्चिम-भारतीय प्राकृत है ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

7. Changing of intervocalic 'Ka' into 'ga' is the feature of this Prakrit –
स्वरमध्यवर्ती 'क' के स्थान पर 'ग' होना इस प्राकृत का लक्षण है –

(A) माहाराष्ट्री (B) शौरसेनी
(C) अर्धमागधी (D) पैशाची

8. In the Sáurasenī language 'bhavati' becomes –
भवति शब्द का शौरसेनी भाषा में यह होता है –

(A) होइ (B) हवइ
(C) भवइ (D) भोदि

9. This is not a āgama work –
यह आगम ग्रंथ नहीं है –

(A) आचारांग (B) सूत्रकृतांग
(C) स्थानांग (D) वसुदेवहिण्डि

10. The 'Bārasa-aṇuvekkhā is written by –
बारसाणुवेक्खा ग्रन्थ के लेखक हैं –

(A) कुंदकुंद (B) भूतबलि
(C) यतिवृषभ (D) कार्तिकेय

11. This text is written in Shauraseni language.
यह ग्रंथ शौरसेनी भाषा में लिखित है –

(A) णायकुमार चरिउ (B) पउमचरिउ
(C) उत्तरज्झयण सुत्त (D) समयसार

12. Ācārya Guṇadhara is author of –
आचार्य गुणधर इस ग्रंथ के लेखक हैं

(A) धवला (B) जयधवला
(C) समय पाहुड (D) कसाय पाहुड

13. Ardhamagdhi canonical works were finally compiled in this council –
अर्धमागधी आगमों का अंतिम संकलन-कार्य इस वाचना में हुआ –

(A) माथुरी वाचना (B) पाटलिपुत्र वाचना
(C) वलभी वाचना (D) नागार्जुन वाचना

14. Digambara-Jain Canons are written in this language :
दिगंबर जैनागमों की रचना इस भाषा में हुई है –

(A) अर्धमागधी प्राकृत (B) शौरसेनी प्राकृत
(C) पैशाची प्राकृत (D) मागधी प्राकृत

15. Hāla is the author of this work –
इस ग्रंथ का रचयिता हाल है –

(A) गाहासत्तसई (B) वज्जालग्गं
(C) गाहालक्खणं (D) गोम्मटसार

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

16. Samarāicca-Kaha is written by –
समराइच्चकहा का रचयिता यह है –
(A) धर्मदास गणि (B) हरिभद्रसूरि
(C) सोमदेवसूरि (D) देवर्द्धि गणि

17. This is the first Charita Kavya in Prakrit Literature –
यह प्राकृत साहित्य का प्रथम चरितकाव्य है –
(A) कहावली (B) पउमचरियं
(C) आदिणाह चरियं (D) महावीर चरियं

18. VimalaSuri is the author of this work –
विमलसूरि इस ग्रंथ का रचयिता है –
(A) पउमचरियं (B) सुपासणाहचरियं
(C) विमलकहा (D) महावीरचरियं

19. Read the name of the following texts and identify the correct code-answer of Śauraseni Agamas –
अधोलिखित ग्रन्थों के नाम पढ़िए और कूट में से शौरसेनी आगमों के सही कूट उत्तर को पहचानिए –
(i) षटखण्डागम (ii) स्थानांग
(iii) प्रश्नव्याकरण (iv) भगवतीआराधना
(v) समयसार (vi) विपाकसूत्र
Code (कूट) –
(A) (i) + (iii) एवं (iv) (B) (i) + (iv) एवं (v)
(C) (i) + (ii) एवं (vi) (D) (iii) + (i) एवं (v)

20. The author of Kamsavaho is –
कंसवहो ग्रंथ का रचयिता है –
(A) विमलसूरि (B) उद्योतन सूरि
(C) सोमदेव सूरि (D) रामपाणिवाद

21. Kamsa-vaho was composed in this area
इस क्षेत्र मे कंसवहो की रचना हुई है –
(A) उत्तर भारत (B) पूर्व भारत
(C) पश्चिम भारत (D) दक्षिण भारत

22. Avantisundrī is related to Mahakavi Rājashekhara as –
अवन्तिसुन्दरी महाकवि राजशेखर से इस रूप में सम्बन्धित है –
(A) बहिन (B) शासिका
(C) धर्मपत्नी (D) शिक्षिका

23. The Anandasundri work belongs to this form of literature –
'आनन्दसुन्दरी' ग्रन्थ साहित्य में इस विधा का ग्रन्थ है –
(A) प्रहसन (B) सट्टक
(C) नाटक (D) महाकाव्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

24. 'Radanika' of Mṛacchakatikaṁ was maid servant of –
मृच्छकटिकं की 'रदनिका' इनकी सेविका थी –
(A) वसन्तसेना (B) धूता
(C) चारुदत्त (D) पालकराजा

25. The language used by Vidūṣaka in dramas is –
नाटकों में विदूषक द्वारा प्रयुक्त भाषा है –
(A) शौरसेनी (B) पैशाची
(C) शाकाटी (D) मागधी

26. Emperor Khāravela was the patron of this religion –
सम्राट खारवेल इस धर्म के संरक्षक थे –
(A) वैष्णव (B) शैव
(C) निर्ग्रन्थ (D) बौद्ध

27. 'जणणि व्व जेण धरिआ णिच्चं णिय मंडले सव्वा'
Above line of the gāthā is found in this inscription –
उपर्युक्त गाथांश इस अभिलेख में उपलब्ध है –
(A) हाथीगुंफा (B) घटियाल
(C) गिरनार (D) पमोसा

28. The use of Devanāgarī script is found in the inscription of –
देवनागरी लिपि का प्रयोग इस अभिलेख में पाया जाता है –
(A) हाथीगुंफा (B) कक्कुक
(C) गिरनार (D) मानसेहरा

29. The inscription of emperor Kharavela is known as
सम्राट खारवेल का शिलालेख इस रूप में जाना जाता है –
(A) गिरनार अभिलेख (B) घटियाल अभिलेख
(C) पभोसा अभिलेख (D) हाथीगुंफा अभिलेख

30. The Pāiyalacchinamamālā text was composed in this century –
'पाइयलच्छीनाममाला' ग्रन्थ इस शताब्दी में लिखा गया था –
(A) 14वीं (B) 10वीं
(C) 12वीं (D) 9वीं

31. The 'Alaṁkāradappaṇa' text is composed by –
'अलंकारदप्पण' ग्रन्थ इनके द्वारा रचित है –
(A) धनपाल कवि (B) हेमचन्द्राचार्य
(C) गुणचन्द्रगणि (D) अज्ञात कवि

32. This is not a text on poetics –
यह ग्रन्थ काव्यशास्त्र का नहीं है –
(A) प्राकृतप्रकाश (B) प्राकृत पैंगलम्
(C) कविदर्पण (D) वृत्तजाति समुच्चय

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. Acharya Hemachandra composed the lexicon –
आचार्य हेमचन्द्र ने यह कोशग्रन्थ लिखा है –
(A) अमरकोश (B) नाममाला
(C) देशीनाममाला (D) विश्वलोचनकोश

34. The main feature of Māgadhi Prakrit is :
मागधी प्राकृत का प्रमुख लक्षण यह है –
(A) र के स्थान पर ल (B) च के स्थान पर ज
(C) अनादि त का लोप (D) क के स्थान पर ग

35. Intervocalic '<u>tha</u>' becoming <u>dha</u> is the feature of this Prakrit
स्वरमध्यवर्ती थ के स्थान पर ध होना इस प्राकृत का लक्षण है –
(A) महाराष्ट्री (B) अर्धमागधी
(C) शौरसेनी (D) पैशाची

36. Sandhi does not occur in these couplet of letters –
निम्नांकित युग्म के वर्णों में सन्धि नहीं होती –
(A) अ + इ (B) आ + उ
(C) उ + इ (D) इ + ई

37. A vowel before a conjunct consonant becomes –
संयुक्त व्यंजन से पूर्ववर्ती स्वर इस प्रकार होता है –
(A) ऐ (B) दीर्घ
(C) औ (D) ह्रस्व

38. 'Anekanta' is delineated in this text –
अनेकान्त का प्रतिपादक ग्रन्थ है –
(A) प्रवचनसार (B) समयसार
(C) प्रमाण मीमांसा (D) सन्मतितर्क प्रकरण

39. In Śauraseni the 'Ktvā' suffix is used as –
शौरसेनी में कत्वा प्रत्यय का प्रयोग इस प्रकार है –
(A) उण (B) दूण
(C) इण (D) एण

40. This is an example of qualitative change –
यह गुणात्मक परिवर्तन का उदाहरण है –
(A) सेज्जा (B) रयणं
(C) आगासो (D) जियइ

41. According to Dravyasamgraha kinds of 'Upayoga' are –
द्रव्यसंग्रह के अनुसार 'उपयोग' के प्रकार ये हैं –
(A) द्रव्य और पर्याय (B) दर्शन और ज्ञान
(C) जीव और अजीव (D) धर्म और अधर्म

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

42. This statement is not true –
यह कथन सत्य नहीं है –
(A) अर्थ की जानकारी नय ज्ञान से होती है ।
(B) नयवाद दृष्टि का विस्तार करता है ।
(C) एकान्तवाद से यथार्थ-अर्थ-बोध होता है ।
(D) अनेकान्तवाद-स्याद्वाद का निरूपण 'सम्मशपुत्त' में है ।

43. 'जे गुणे से मूलट्ठाणे, जे मूलट्ठाणे से गुणे'
The above citation is found in this Āgama –
उपर्युक्त उद्धरण इस आगम में उपलब्ध है –
(A) उत्तराध्ययन (B) सूत्रकृतांग
(C) आचारांग (D) स्थानांग

44. "तम्हा तत्तियमइओ होदि हु मोक्खस्स कारणं आदा"
In above text the word 'तत्तिय' means –
उपर्युक्त गाथांश में 'तत्तिय' शब्द का आशय है –
(A) सम्यक्दर्शन-ज्ञान-चारित्र (B) अरिहन्त-सिद्ध-आचार्य
(C) कर्म-आस्रव-बन्ध (D) नय-निक्षेप-प्रमाण

45. 'चारितं खलु धम्मो'
The above citation is found in this work –
उपर्युक्त उद्धरण इस ग्रन्थ में पाया जाता है –
(A) समयसार (B) प्रवचनसार
(C) पंचास्तिकाय (D) नियमसार

46. This is included in Upanga-Sutra –
यह उपांग-सूत्र में परिगणित है –
(A) निशीथ (B) उत्तराध्ययन
(C) दशवैकालिक (D) औपपातिक

47. "कीए वि संघटदि कस्स वि पेम्मगण्ठी
एमेअ इत्थ ण हु कारणमत्थि रूपं ।"
Who said to whom the above statement ? –
उपर्युक्त कथन किसने किससे कहा ?
(A) राजा चन्द्रपाल ने विदूषक से (B) विदूषक ने राजा चन्द्रपाल से
(C) सारंगिका ने विचक्षणा से (D) कर्पूरमंजरी ने विभ्रमलेखा से

48. एस महाराजो को-वि इमिणा गम्भीरमहुरेण सोहासमुदएण जाणी अदि ।
'एसो वि जोईसरो'
In the above sentence 'जोईसरो' word means –
उपर्युक्त वाक्य में 'जोईसरो' शब्द का अर्थ है –
(A) ज्योतिसरोवर (B) योगीश्वर
(C) ज्योतीश्वर (D) ज्योतिषी

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

49. Uttarādhyayana Sūtra is considered as –
उत्तराध्ययनसूत्र माना जाता है –

(A) छेदसूत्र (B) मूलसूत्र
(C) टीका ग्रन्थ (D) भाष्यग्रन्थ

50. "उभओ णिसण्णा सोहंति, चंद-सूर-समप्पभा"
In the above text 'उभओ' includes these two –
उपर्युक्त मूल पाठ में 'उभओ' में ये दो परिगणित हैं –

(A) केशी-गौतम (B) राजीमती-रथनेमि
(C) नमि-इन्द्र (D) महावीर-गौतम

51. Match the citations from Part-I and works from Part-II and identify the correct Answer –
भाग-I से उद्धरण तथा भाग-II से ग्रन्थों का मिलान कीजिये और सही उत्तर पहचानिये –

	भाग-I		**भाग -II**
(a)	आदा णाणपमाणं	(i)	आचारांग
(b)	जीवो उवओगमओ	(ii)	प्रवचनसार
(c)	से आयावाई लोयावाई कम्मावाई किरियावाई	(iii)	उत्तराध्ययनसूत्र
(d)	तओ नमी रायरिसी	(iv)	द्रव्यसंग्रह

Code (कूट) –

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(B)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(C)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(D)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

52. सयलाओ इमं वाया विसंति एत्तो अ णेंति वायाओ ।
एंति समुद्दं चिय णेंति सायराओ च्चिअ जलाइं ।।
The above verse is written by this poet –
उपर्युक्त गाथा इस कवि के द्वारा लिखित है –

(A) विमलसूरि (B) वाक्पतिराज
(C) प्रवरसेन (D) जयवल्लभ

53. उच्छरई तमो गयणे
In the above portion of verse the meaning of the word 'उच्छरई' is –
उपर्युक्त गाथांश में प्रयुक्त 'उच्छरई' शब्द का अर्थ है –

(A) आ रहा है (B) ऊँचा हो रहा है
(C) फैल रहा है (D) अस्त हो रहा है

54. 'णाणं अट्ठवियप्पं मदि-सुद-ओही अणाण-णाणाणि'
The above line of the gāthā is found in –
उपर्युक्त गाथांश इस ग्रंथ में प्राप्त है –

(A) उत्तराध्ययन सूत्र (B) सन्मति तर्क प्रकरण
(C) प्रवचन सार (D) द्रव्यसंग्रह

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

55. The hero of the epic Gaudavaho is –
गउडवहो महाकाव्य का नायक है –
(A) यशो वर्मा (B) कुमारपाल
(C) प्रवरसेन (D) सातवाहन

56. 'जे लोयं अब्भाइक्खइ, से अत्ताणं अब्भाइक्खइ'
In the above text the word 'अब्भाइक्खइ' means –
उपर्युक्त मूल पाठ में 'अब्भाइक्खइ' शब्द का अर्थ है –
(A) स्वीकार करता है । (B) अस्वीकार करता है ।
(C) प्रवृत्त होता है । (D) विरत होता है ।

57. The meaning of 'अहोविहार' word used in Ācāranga is –
आचारांग में प्रयुक्त 'अहोविहार' शब्द का अर्थ है –
(A) यात्रा (B) संयम
(C) अथवा (D) विचार

58. 'वावदेध मं मुंचध आवुकं'
In Rohasen's above statement, this Prakrit language is used –
रोहसेन के उपर्युक्त कथन में इस प्राकृत भाषा का प्रयोग हुआ है –
(A) शौरसेनी (B) चाण्डाली
(C) मागधी (D) प्राच्या

59. 'मह पुणो सिंगारसंजीविणी, जं जादा अह मम्महेण धणुहे तिक्खो सरो संधिदो'
In this text king Chandrapal uses 'सिंगारसंजीविणी' adjective for this –
उपर्युक्त मूलपाठ में राजा चन्द्रपाल 'सिंगारसंजीविणी' विशेषण इसके लिये प्रयुक्त करता है –
(A) विभ्रम लेखा (B) कर्पूरमंजरी
(C) विचक्षणा (D) सारंगिका

60. Match each work from Part I and its author from Part II and identify the correct answer –
भाग-I से प्रत्येक ग्रन्थ और भाग-II से उसके लेखक का मिलान कीजिये और सही उत्तर पहचानिये –

	भाग-I		**भाग -II**
(a)	मृच्छकटिक	(i)	नेमिचन्द्र
(b)	सन्मतितर्कप्रकरण	(ii)	शूद्रक
(c)	द्रव्यसंग्रह	(iii)	राजशेखर
(d)	कर्पूरमंजरी	(iv)	सिद्धसेन

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(B)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(C)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(D)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

61. "..... दूरं जो णाडिआए अजुहरदि ।
किं पुण पवेसअविक्खम्भआइ इह केवलं णात्थि ।।"
Above features represent this –
उपर्युक्त लक्षण इसका है –
(A) नाटक (B) रूपक
(C) सहक (D) एकांकी

62. The author of Karpūramaňjarī is :
कर्पूरमञ्जरी के लेखक हैं –
(A) कालिदास (B) घनश्याम
(C) राजशेखर (D) विश्वेश्वर

63. 'Ātmikā' word is changed into Śaurasenī as :
'आत्मिका' शौरसेनी में इस रूप में परिवर्तित होता है –
(A) आत्तिका (B) आत्तिआ
(C) अत्तिआ (D) अत्तिया

64. 'दुविहालंकारे विप्फुरंति'
In 'Ṇāyakumāracariu' the above adjective is used for this –
उपर्युक्त विशेषण णायकुमारचरिउ में इसके लिये प्रयुक्त हुआ है –
(A) लक्ष्मी (B) सरस्वती
(C) गौरी (D) महारानी

65. The text Setubandha is authored by :
सेतुबन्ध ग्रन्थ इनके द्वारा लिखा गया है –
(A) राजशेखर (B) प्रवरसेन
(C) वाक्पतिराज (D) रामपाणिपाद

66. 'तुरगस्स-सिग्घत्तणे किं साक्खिणो-पुच्छी अंति ?'
The above statement is found in this text :
उक्त कथन इस ग्रंथ में पाया जाता है –
(A) मृच्छकटिक (B) कर्पूरमंजरी
(C) मुद्राराक्षस (D) आनन्दमञ्जरी

67. Ṇāyakumāracariu is known as :
णायकुमारचरिउ जाना जाता है –
(A) आगमग्रन्थ (B) कोशग्रन्थ
(C) अलंकारशास्त्र (D) चरितकाव्य

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

68. Kinds of Katha according to the Kuvalayamālā are :
कुवलयमाला के अनुसार कथा के भेद हैं –
(A) पाँच (B) चार
(C) तीन (D) दो

69. MahāKavi Praverasena belongs to the period of :
महाकवि प्रवरसेन का समय यह है –
(A) पाँचवी शताब्दी (B) चतुर्थ शताब्दी
(C) द्वितीय शताब्दी (D) सातवीं शताब्दी

70. The description of Magahadesa is found in this text :
मगहदेस का वर्णन इस ग्रंथ में उपलब्ध है –
(A) णायकुमारचरिउ (B) मयणपराजयचरिउ
(C) पउमचरिउ (D) सिरिपालचरिउ

71. 'घण-कसिण-कलंक-पंकाणुलेवणा-गरुय-भावस्स गुरु-लोह पिंडस्स व जलम्मि झत्ति णरए चेव पडणं'
The above part of prose belongs to this text –
उपर्युक्त गद्यांश इस ग्रन्थ से सम्बन्धित है –
(A) कर्पूरमंजरी (B) मृच्छकटिक
(C) णायकुमारचरिउ (D) कुवलयमाला

72. Āvantī is a sub-dialect of :
आवन्ती इसकी उपभाषा है –
(A) मागधी (B) महाराष्ट्री
(C) अर्धमागधी (D) शौरसेनी

73. 'देवजदिगुरुपूजासु चेव दाणम्मि य सुसीलेसु'
The above part of gāthā is from this text –
उपर्युक्त गाद्यांश इस ग्रंथ से है –
(A) आचारांग (B) प्रवचनसार
(C) द्रव्यसंग्रह (D) सन्मतितर्क

74. 'तिक्काले चउपाणा इंदिय बलमाउ आणपाणो य ।
ववहारा सो जीवो णिच्छयणयदो दु चेदणा जस्स ।।'
The gāthā occurs in –
उक्त गाथा इस ग्रन्थ में प्राप्त है –
(A) प्रवचनसार (B) द्रव्यसंग्रह
(C) आचारांग (D) सन्मतितर्क प्रकरण

75. 'Āgamakusalo' is the quality of :
'आगमकुसलो' यह इनका गुण है –
(A) तिर्यञ्च (B) देव
(C) समण (D) सिद्ध

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com